उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, हल्द्वानी
महत्वपूर्ण उपलब्धियाँः अक्टूबर, 2018

दिव्यांगों के शिक्षा संवर्द्धन हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण

कार्यक्रम का उद्घाटन करते प्रो0 शुक्ल व अन्य

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा नैनीताल जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 90 शिक्षक -शिक्षिकाओं प्रशिक्षु अध्यापकों को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सभागार में दिनाँक 25-27 अक्टूबर, 2018 को आयोजित की गयी। कार्यशाला का उद्घाटन शिक्षाशास्त्र विध्याशाखा के निदेशक प्रो. एच.पी. शुक्ल, मरियम बी.एड. कॉलेज, हल्द्वानी की प्राचार्य, डॉ प्रमिला जोशी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यशाला में डॉ राकेश शर्मा ने प्रतिभागियों को विकलांगता को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों एवं विकलांगता के प्रति बनी अवधारणाओं कों स्पष्ट किया| और भारतीय पुनर्वास परिषद् एक्ट १९९२ के बारे में विस्तार से बताया साथ ही नवीन दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम जों कि 2018 में लागू किया गया उसमें सम्मिलित नवीन विभिन्न दिव्यन्ताओं की श्रेणी के विषय में बताया| श्रीमती भावना धौनी ने सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और समावेशी शिक्षा एवं एकीकृत शिक्षा के संप्रत्यय से प्रतिभागियों को अवगत कराने के साथ ही सामान्य विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों की

शिक्षा के लिए की जाने वाली व्यवस्था के विषय में जानकारी दी| अनमोल फाउंडेशन की श्रीमती मीनाक्षी चौहान द्वारा विकलांगता के विभिन्न श्रेणी और उप श्रेणीयों के विषय में जानकारी प्रदान की और साथ ही विकलांगता को पहचानने सम्बन्धी वैज्ञानिक विधियों, उनका कारण, एवं शीघ्र हस्तक्षेपन के विषय में बताया| श्री सतीश चौहान द्वारा मूक बधिर बच्चों की शिक्षा हेतु निर्धारित विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों हेतु प्रयुक्त सांकेतिक भाषा के विषय में बताया गया|

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र 2018–18 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Previous Session (2018-18-Winter)

Total Students	19008
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	6069
12 Roorkee	3822
14 Pauri	1274
15 Uttar Kashi	1567
16 Haldwani	3157
17 Ranikhet	1186
18 Pithoragarh	651
19 Bageshwar	314
Books Packed/Dispatched For	18040

उपर्युक्त तालिका में विभिन्न पाठ्यक्रमों में, 08 क्षेत्रीय केन्द्रों में सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रेषित की जाने वाली अध्ययन सामग्री का विवरण उल्लिखित है।

परीक्षा

विश्वविद्यालय के प्रबन्ध अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा दिनांक 20/10/2018 को 04 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित कराई गई जिसमें कुल 313 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। ज्ञान कुम्भ 2018 हेतु विश्वविद्यालय के 10 टापर्स तथा शोध छात्रों की सूची प्रेषित की गई।

अक्टूबर माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 217 मूल उपाधियॉ, 137 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाण पत्र वाहक/डाक से प्रेषित किये गये।

प्रवेश

UGC, DEB द्वारा आकादमिक सत्र 2018-19 के लिए 05 पाठ्यक्रम पर्व में तथा नवीन 18 पाठ्यक्रम की मान्यता प्रदान की गई है जिनमें प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ करने के उपरांत दिनांक 30 अक्टूबर, 2018 तक 41,137 विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया है।

विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित तैयारियॉ

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह का आयोजन श्री राज्यपाल महोदया द्वारा दिनांक- 27 नवंबर 2018 (मंगलवार) को निर्धारित किया गया है।

विश्वविद्यालय में वर्ष 2018-19 में स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पी0जी0 डिप्लोमा/ डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएच0 डी0 स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपाधि प्रदान की जानी है। इसके साथ ही इन उपाधि धारकों में से सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुलाधिपति जी द्वारा स्वर्ण पदक भी प्रदान किये जाने है। इस हेतु समारोह से संबंधित विभिन्न कार्यों के सुचारू सम्पादन हेतु समितियों का गठन किया गया है।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम

- प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा के प्रबंध विभाग के शोधार्थी श्री ले0 कर्नल राजेन्द्र सिंह कोहली, पंजीयन संख्या 12035103 द्वारा जमा किये गये शोध प्रबन्ध जिसका शीर्षक "Professional Stress and Spiritual Intelligence: A Study of Corporate

and Government Exterprises'' है, के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञों के नाम व पैनल दिये जाने के संदर्भ में गोपनीय प्रपत्र संयोजक/निदेशक, वाणिज्य विद्याशाखा को दिनांक 26.10.2018 को प्रेषित किया जा चुका है।

- प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा के प्रबन्ध अध्ययन विभाग के शोधार्थी श्रीमती सुनीता सांगुडी, पंजीयन संख्या 12027642 की शोध ग्रन्थ प्रस्तुतीकरण हेतु पूर्व परीक्षा की प्रस्तुति संतोषजनक रही है। शोधार्थी इनका शोध कार्य शोध प्रबन्ध के रूप में जमा करने व मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करने योग्य पाया गया है। अतः शोधार्थी को शोध प्रबन्ध जमा करने हेतु पत्र पत्रांक संख्याः यू.ओ.यू./शोध/2018/1289 दिनांक 08.10.2018 के माध्यम से प्रेषित कर दिया गया है।

गॉधी जयंती तथा स्वच्छता अभियान

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 अक्टूबर 2018 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी के सभागार में गॉधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी याद किया गया।

कार्यक्रम के अन्तर्गत चतुर्थ गॉधी स्मृति व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। प्रोफेसर लक्षमण सिंह बिष्ट 'बटरोही' (पूर्व विभागाध्यक्ष एवं आचार्य, हिन्दी विभाग, कुमॉऊ विश्वविद्यालय) ने चतुर्थ गॉधी समृति व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता, प्रो0 एच0पी0 शुक्ल, निदेशक मानविकी विद्याशाखा द्वारा की गई। इस अवसर पर प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, प्रोफेसर पी0डी0 पंत सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, अधिकारी एवं कार्मिक

उपास्थित थे। कार्यक्रम के अंत में श्रमदान अभियान के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर की सफाई का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

उत्तराखंड की पत्रकारिता के विकास और चुनौतियों विषय पर व्याख्यान

अल्मोड़ा से प्रकाशित प्रदेश के एतिहासिक अखबार 'शक्ति' के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में उत्तराखंड की पत्रकारिता के विकास और चुनौतियों विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। शक्ति अखबार उत्तराखंड मे नवजागरण का अग्रदूत था। आजादी के तीस साल पहले शुरु हुए इस अखबार ने आजादी के आंदोलन के साथ ही सामाजिक आंदोलनों को आवाज देने का काम किया। सामाजिक बुराईयों पर अपनी आवाज मुखर की। ये कहना है इतिहासकार शेखर पाठक का। उन्होंने ये बात शक्ति अखबार के सौ साल पूरा होने के मौके पर उत्तराखंड मुक्त विवि के सभागार में मीडिया स्टडीज विभाग द्वारा आयोजित गोष्ठी में कही।

उन्होंने बद्री दत्त पांडे से शुरु कर सौ साल के दरमिंया शक्ति के सभी संपादकों पर बात रखी। उनके तेवरों व उनकी लेखनी पर बात रखी। वो भले विक्टर मोहन जोशी हों, दुर्गादत्त पांडे राम सिहं धौनी, मनोहर पंत, मथुरादत्त त्रिवेदी, पूरन चन्द्र तिवारी, देवी दत् पांडे धर्मानंद पांडे व शक्ति के अंतिम संपादक शिरीष पांडे जिनका पिछले साल बहुत कम उम्र मे निधन हो गया। उन्होंने बताया कि शक्ति अखबार केवल एक अखबार नहीं होता था बल्कि महात्मा गांधी जब आजादी के वक्त अल्मोड़ा आए थे तो लोग भेंट में उन्हें ये अखबार दिया करते थे,ये अखबार लोगों के बीच बांचा जाता था लोग सामूहिक रूप से सुनते थे इसे।

आजादी के आंदोलन में इसकी बहुत बड़ी भूमिका तो है ही साथ ही सामाजिक सांस्कृ-तिक आंदोलनों को धार देने का काम भी शक्ति ने किया। उत्तराखंड में जाति के खिलाफ आंदोलन हो या फिर कुली बेगार, सब में प्रखर रुप में इसने अपनी बात रखी। कभी किसी के आगे झुका नहीं। एक तरफ जहां ये क्षेत्रीय मुद्दों को आवाज दे रहा था तो वहीं राष्ट्रीय आंदोलनों के साथ भी एकाकार था। लोगों को उनकी कूपमंडूकता से निकाल रहा था। उन्होंने कहा कि आज शक्ति के सौ साल के इस अवसर पर आज की हमारी पूरी पत्रकारिता को देखने का मौका भी है उस बहाने हम याद करें कि कैसे विपरीत दौर में शक्ति ने लोगों में प्रगतिशील चेतना देने का काम भी किया।

शक्ति के बहाने प्रो. शेखर पाठक ने उत्तराखंड में पत्रकारिता के इतिहास को यहां को आंदोलनों के विकास के साथ के क्रम में बताया। बहुत से किस्से उन्होंने सुनाए जो कि सभी के लिए बहुत दुर्लभ थे। उन्होने बताया कि एनडी तिवारी ने मात्र सत्रह साल की उमर् में अपनी पहली कविता शक्ति के लिए लिखी थी। इसेक अलावा सुमित्रानंदन पंत, श्यामाचरण पंत, गौर्दा जैसे लोगों की कविताओं को शक्ति मे स्थान मिलता था। उसने लोगों की साहित्यक चेतना को बढ़ाने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई।

इस मौके पर मीडिया स्टडीज विभाग के संयोजक प्रो, भूपेन सिंह ने कहा कि शक्ति अखबार के सौ सालों को आज हम याद करने की जरूरत है कि कैसे विपरीत हालातों में इतना प्रगतिशील अखबार न केवल अपने पूरे सम्मान के साथ निकला बल्कि उसने पत्रकारिता के बुनियादी वसूलों को जिंदा रखा ये आज की पत्रकारिता के लिए सीखने की बात है।

इस मौके पर कुमांऊनी कवि जगदीश जोशी, भाषाविद् प्रयाग जोशी, कवि साहित्यकार व शिक्षक महेश पुनेठा, रघु तिवारी, शिक्षक नेता प्रो, सुनील पंत, विनीत फुलारा, भास्कर उप्रेती, उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलसचिव आर सी मिश्र, वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल बोहरा, इतिहास के प्रोफेसर गिरिजा पांडे, राकेश रयाल, राजेन्द्र क्वीरा, राजेन्द्र कैड़ा, भावना लखेड़ा, समेत कई शिक्षक व स्टूडेंट मौजूद रहे।

हैलो हल्द्वानी के ऐप का उद्घाटन

शक्ति अखबार के सौ साल पूरे होने पर आयोजित व्याख्यान में प्रो, शेखर पाठक ने उत्तराखंड मुक्त विवि के रेडियो हैलो हल्द्वानी के ऐप का उद्घाटन किया। इस मौके पर रेडियो ने अपने अभी तक के सफर को एक डाक्यूमेंट्री के माध्यम से दिखाया। रेडियो को निदेशक प्रो, गिरिजा पांडे ने कहा कि इस ऐप के उद्घाटन के बाद अब हैलो हल्द्वानी 91.2 एफएम को हल्द्वानी के दायरे से बाहर निकल देश दुनिया में कहीं भी सुना जा सकता है। हैलो हल्द्वानी हल्द्वानी शहर की बदलती धड़कने को समझने की कोशिश मे है और एक खूबसूरत शहर के बनने में अपना योगदान दे रहा है।

हैलो हल्द्वानी से सितम्बर माह में प्रसारित कार्यक्रम

- प्रोग्राम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह, अतिथि- प्रयाग जोशी, वार्ता का विषय- उत्तराखंड की बोलियों पर
- प्रोग्राम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह, अतिथि- लक्ष्मण सिंह बटरोही (वरिष्ठ साहित्यकार) वार्ता का विषय- साहित्य व व्यक्तित्व पर बातचीत
- प्रोग्राम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह, अतिथि- रेनू बल्दिया(स्टूडेंट) , वार्ता का विषय- युवाओं में करिअर की समझ
- प्रोग्राम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह, अतिथि- विभांशु कुमार (रेडियो प्रोग्रामर) वार्ता का विषय- खेलों की स्थिति
- प्रोग्राम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह, अतिथि- प्रकाश चंद्रा (पीसीएस आफिसर) वार्ता का विषय- एक पीसीएस आफिसर की जिम्मेदारियां
- प्रोग्राम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह, अतिथि- वृंदा महतोलिया एंड कंपनी (सौहार्द जन सेवा समिति) , वार्ता का विषय- शहर में स्वच्छता अभियान में क्या चुनौतियां
- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- राजेन्द्र बिष्ट(डीपीओ बागेश्वर) वार्ता का विषय- महिला एंव बाल विकास विभाग की योजनाओं पर बातचीत

- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- रवि जोशी (प्रोफेसर), वार्ता का विषय- मनरेगा योजना कितनी कारगर, क्या कमियां
- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- प्रेम पिरम (डाक्यूमेंट्री मेकर), वार्ता का विषय- पहाड़ के प्रवासियों पर चर्चा
- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- संजय पाठक (ओनर शिखर कैफे) वार्ता का विषय- अल्मोड़ा कैफे व उस समय के हालात
- प्रोग्राम- शिक्षा का पहिया, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- महेश पुनेठा (शिक्षक एक्टविस्ट), वार्ता का विषय- शिक्षा में नवाचार क्यों जरूरी
- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- प्रेम कुमार (हिंदी शिक्षक डीपीएस स्कूल), वार्ता का विषय- प्राइवेट स्कूलों में क्यों उपेक्षित हिंदी
- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- कौशल कुमार सिंह (पीटीआई शिक्षक सेंट मैरी) वार्ता का विषय- स्कूलों में पीटीआई शिक्षक की महत्ता
- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- बीएड स्टूडेंट (मरियम स्कूल), वार्ता का विषय- स्पेशल बच्चों के प्रति भावी शिक्षकों का नजरिया
- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- बीएड स्टूडेंट (मरियम स्कूल), वार्ता का विषय- विकलांग लोगों के प्रति समाज का नजरिया
- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- गौरव भट्ट(टॉपर), वार्ता का विषय- बोर्ड परीक्षाओं के लिए एक टॉपर के टिप्स
- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- राजीव रंजन गिर(गांधीवादी कार्यकर्ता), वार्ता का विषय- गांधी की प्रासंगिकता
- प्रोग्राम- चर्चा में , वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- जगमोहन रौतेला (वरिष्ठ पत्रकार) वार्ता का विषय- गांधी जी का उत्तराखंड भ्रमण
- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, वार्ताकार- संजीवनी पाठक, अतिथि- डीपीएस स्कूल के बच्चे, वार्ता का विषय- बच्चों में बदलती प्रवृतिंयां और अभिभावक की भूमिका
- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, वार्ताकार- संजीवनी पाठक, अतिथि- डीपीएस स्कूल के बच्चे, वार्ता का विषय- बच्चों में बदलती प्रवृतिंयां और अभिभावक की भूमिका

- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, वार्ताकार- संजीवनी पाठक, अतिथि- डीपीएस स्कूल के बच्चे, वार्ता का विषय- भगवान है कि नहीं एक परिचर्चा बच्चों की जुबानी
- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, वार्ताकार- हर्षिता रौतेला, अतिथि-विभिन्न स्कूलों के बच्चे, वार्ता का विषय- बच्चे और कविताएं
- प्रोग्राम- प्रवासियों की दुनिया, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- कुलदीप यादव (पल्लेदार बिहार) , वार्ता का विषय- प्रवासियों की जिंदगी पर एक नजर
- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ताकार- अनिल नैलवाल, अतिथि- भूपेन सिंह, वार्ता का विषय- रेडियो में श्रोताओं की भूमिका
- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अतिथि- डीएन भट्ट (शिक्षक व रंगकर्मी) , वार्ता का विषय- बेहद लोकप्रिय स्वच्छता गीत की यात्रा पर बातचीत

(हैलो हल्द्वानी से सम्बन्धित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- क)

शोध एवं अकादमिक गतिविधियॉ

1. यूजीसी द्वारा सूचीबद्ध जर्नल "The Online Journal of Distance Education and e-Learning" के Volume 6 Issue 4 में विश्वविद्यालय के डॉ0 जीतेंद्र पाण्डे, सहायक प्राध्यापक, स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी के शोध पत्र, जिसका शीर्षक " Investigating the attitude towards the use of Mobile Learning in Open and Distance Learning: A Case Study of Uttarakhand Open University" का प्रकाशन हुआ|
2. डॉ0 शशांक शुक्ल, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी द्वारा लिखित लेख, स्त्री मुद्दों की प्रतिनिधि पत्रिका 'स्त्रीकाल' में 'स्त्री लेखन: मिथ और यथार्थ के बीच' शीर्षक प्रकाशित हुआ। ISBN No 2394-093.
3. MHRD द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना SWAYAM के लिए Introduction to cyber security विषय पर MOOC के निर्माण हेतु डॉ. जीतेंद्र पाण्डे - सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर विज्ञानं) को MHRD/IGNOU द्वारा 13.5 लाख(तेरह लाख पचास हजार रूपए मात्र)

का अनुदान प्राप्त हुआ है जिसके अंतर्गत साइबर सिक्यूरिटी विषय में 20 घंटे के विडियो लेक्चर रिकॉर्ड किये जाने हैं तथा MHRD के दिशा-निर्देशों के अनुसार 4 quarderent approach के अनुपालन में पाठ्य सामग्री, असाइनमेंट, क्विज आदि का भी निर्माण किया जाना है| परियोजना के अंतर्गत विकसित पाठ्यक्रम को SWAYAM प्लेटफार्म द्वारा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जायेगा| इसके अतिरिक्त इन विडियो लेक्चर का प्रसारण MHRD के DTH चैनल SWAYAMPRABHA में भी किया जायेगा|

माह अक्टूबर, 2018 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्ते प्रवेश से संबंधित कार्य, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री/पुस्तकों की संरचना/प्रकाशन आदि कार्य किये जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किये गये।

(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- ख)